>

Title: Regarding alleged remarks of a Union Minister against Muslims and leader of a political party.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): अध्यक्षा जी, आपने मुझे शून्य प्रहर में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। कुछ दिनों पहले नेता सदन और देश के गृह मंत्री जी ने हिन्दू आतंकवाद पर टिप्पणी की। उस पर सदन ने खेद व्यक्त किया।...(व्यवधान) वह मामला खत्म हो गया। लेकिन एक वरिष्ठ मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा ने आम जनता के भाषण में खुलेआम कहा कि मुस्लिम आतंकवादी हैं और उनके सरपरस्त माननीय नेता मुलायम सिंह यादव जी हैं और आतंकवादियों से मिलते हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि माननीय मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा जी सदन में खड़े होकर खेद व्यक्त करें, माफी मांगें और इस बात का प्रमाण दें। ...(व्यवधान) मैं यह मांग करना चाहता हूं। ...(व्यवधान) इन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की कार्यवाही हो। ...(व्यवधान)

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। हमने मुस्लिम आतंकवाद नहीं कहा।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : आपने कहा है।...(व्यवधान) आप टेलीविजन देख लीजिए।...(व्यवधान) यह बड़ी गलत बात है।...(व्यवधान)

श्री बेनी प्रसाद वर्मा : हां, देख लीजिए।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : यह बड़ी गलत बात है कि इस प्रकार से टिप्पणी की जाती है।...(व्यवधान)

श्री बेनी प्रसाद वर्मा : हमने मुस्लिम आतंकवाद नहीं कहा।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : यह मंत्रियों की आदत बन गई है। ...(व्यवधान) हर मंत्री दूसरों पर टिप्पणी करते हैं। यही कारण है ...(व्यवधान)

12.05 hrs

At this stage, Shri Tufani Saroj and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: आप बहस करवा लें। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उन्होंने जवाब दे दिया और अभी जवाब दे रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी उनकी बात पूरी नहीं हुई। पहले उनकी पूरी बात सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपका पूरा हो गया या आपको और कुछ कहना है?

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : इस विषय पर पहले नेता जी को बोलने के लिए समय दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप बोलिए। आप लोग बैठिए।

12.06 hrs

At this stage, Shri Tufani Saroj and some other hon. Members went

back to their seats.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, कल मुसलमानों का सम्मेलन था। मुसलमानों की जो समस्याएं हैं, उन समस्याओं को सदन में सरकार के समक्ष रखना हमारा फर्ज है। हिन्दुस्तान के बड़े-से-बड़े मुसलमान, मुस्लिम धार्मिक नेता और उलेमा ने देश के लिए इतने अच्छे भाषण दिये, इतनी अच्छी बातें कहीं हैं। कोई भी मुसलमानों के केवल पक्ष का नहीं है, कहीं से टेप मंगा कर देख लीजिए। सभी पार्टियों के कोई भी नेता टेप सुन लें। हमारे जो देवबंद के नेता हैं, उन्होंने भी बहुत अच्छा भाषण दिया, मुसलमानों का देश के लिए क्या उत्तरदायित्व है। इस पर विस्तार से और सच्ची बातें बताई गई। उन्होंने मुझे मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया। वहां दो लाख से कम भीड़ नहीं थी। आसपास की पूरी-की-पूरी सड़कें भरी थीं, कहीं रास्ता खाली नहीं था। लखनऊ के सारे रास्ते जाम रहे, यह अखबार में छपा है। सारे मुसलमानों ने हाथ उठाकर एक स्वर में देश की सीमा की रक्षा के लिए, देश के विकास के लिए, देश की दस्तकारी की तारीफी के लिए आवाज बुलंद की,, उन्होंने अच्छे भाषण भी दिये। अपने भाषण में हमने कहा कि देश के लिए आप इतना अच्छा बोल रहे हैं, आपको मेरा पूरा सहयोग है। यदि मुसलमानों के साथ कोई पक्षपात होता है या अल्पसंख्यकों की कोई बात होती है, इसके बारे में यही बात उन्होंने कही। यदि अन्याय, अत्याचार हिन्दुओं के साथ होता है, तो उसकी भी

बात उन्होंने कही। पूरे देश को जोड़ने की बात कही। देवबंद वाले मदनी साहब ने एक घंटे का बहुत अच्छा भाषण दिया। इसके बाद बेनी प्रसाद वर्मा ने यह कहा कि मुलायम सिंह आतंकवादियों के संरक्षक है और मुसलमानों का ज्यादा पक्ष लेते हैं, सच्चर आयोग की रिपोर्ट साफ कहती है कि मुसलमान सबसे ज्यादा गरीब और पिछड़ा है, बेरोजगार है, अशिक्षित है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इनका आरक्षण होना चाहिए। इन्हें विशेष सुविधा देनी चाहिए। इसी सदन में प्रधानमंत्री जी ने भी कहा कि हमारे पास सच्चर आयोग की रिपोर्ट आयी है, तो सच्चर आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के लिए मांग करने में क्या हम मुस्लिमों के आतंकवादियों के समर्थक हो गये? क्या पूरे हिन्दुस्तान के मुसलमान आतंकवादी हैं? क्या अब्दुल हमीद को भूल गये? पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम को भूल गए। देश की आजादी की लड़ाई में अग्रणी मुस्लिमों-मौलाना आजाद को भूल गए? इन सबों को क्या आप भूल गये। क्या ये सभी आतंकवादी हैं और थे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं। अब उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अब इनको बोलने के लिए क्या मौका देंगे। आपने भी अखबार में पढ़ा होगा, कौन नहीं जानता है। ये क्या बोलेंगे, इनकी बोलने की क्या सीमा है जो ये बोलेंगे। ये अपने आप को ठीक से समझें। यही ठीक है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, उनको भी बोलने दीजिए। उनको बोलने के लिए खड़ा किया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : यहां बोलेंगे गलत। क्या हम गलत बोलेंगे।...(व्यवधान)

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: अब ये सुनेंगे नहीं।

श्री मुलायम सिंह यादव : नहीं, कतई नहीं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब क्या आप मंत्री जी से सुनना चाहते हैं या नहीं?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: सच कड़वा होता है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : इनको क्यों मौका दिया जाएगा?...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : हम लोग चाहते हैं कि मंत्री जी इसके लिए माफी मांगे और खेद व्यक्त करें।

अध्यक्ष महोदया : वह खड़े हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग उनको बोलने दीजिए कि क्या कहना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनको बोल लेने दीजिए। वह क्या कह रहे हैं, उसको सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : वह पहले माफी मांगें और खेद व्यक्त करें।

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: मैडम, खेद व्यक्त करने का सवाल ही नहीं है। मैंने जो कहा सच कहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग क्या चाहते हैं?

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: मैडम, ये लोग सुनेंगे नहीं। लगता है मुझे बोलना पड़ेगा।

12.09 hrs

At this stage, Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

अध्यक्ष महोदया : वर्मा जी, आपको क्या कहना है, बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री बेनी प्रसाद वर्मा: मैडम, आतंकवाद का न कोई धर्म होता है, न कोई जाति होती है, न रंग होता है। हमने आतंकवाद के किसी धर्म का जिक्र नहीं किया है।

लेकिन बाबरी मस्जिद विध्वंस आतंकवाद की घटना था।...(व्यवधान) गोधरा कांड आतंकवाद की घटना थी...(व्यवधान) बाबरी मस्जिद पर पहला फावड़ा मारने वाले * को राज्य सभा किसने भेजा?...(व्यवधान) बाबरी मस्जिद के दोषी * से हाथ किसने मिलाया?...(व्यवधान) गोधरा कांड के बाद मुसलमान-मुसलमान कहकर समाजवादी पार्टी गुजरात में चुनाव लड़ी, मोदी को जिताने के लिए।...(व्यवधान) आतंकवादी न हिन्दू होता है, न मुसलमान। ...(व्यवधान) ये आतंकवादियों के संरक्षक हैं।...(व्यवधान) मैं दावे के साथ कहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपकी बात हो गयी, अब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप लोग बैठ जाइए।

श्री गणेश सिंह, आप बोलिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : महोदय, मुझे आतंकवादी और मुसलमानपरस्त कहा है। जब तक इस बयान को कहने वाले मंत्री को बर्खास्त नहीं किया जाएगा, तब तक हम सदन में शांति से नहीं बैठेंगे। अगर हम आतंकवादी हैं, तो मुझे प्रमाण-पत्र दो और जेल भेजो। आप या तो मंत्री को बर्खास्त करो या मुझे जेल भेजो। आपको इन दोनों में से एक काम करना पड़ेगा। तीन लोगों को आतंकवादी या आतंकवादी से संबंधित कहा है। मुझे कहा है, कल्याण सिंह जी को कहा है और साक्षी जी को कहा है कि इन लोगों का आतंकवादियों से संबंध हैं। ये मोदी को भी कह गए हैं। क्या ये सभी साथी आतंकवादी हैं? अगर इनसे मेरा सम्पर्क है, नमस्ते है, दुआ-सलाम है और इनमें से एक-आध हमारी पार्टी में भी रहे है और वर्ष 1977 में कल्याण सिंह जी और मैं साथ-साथ मिनिस्टर भी रहे। क्या हम सभी आतंकवादी हैं? अगर हमें आतंकवादी कहा है, तो हमें जेल भेजिए या मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाइए।

MR. CHAIRMAN : Let the hon. Minister respond?

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Please listen to the Minister.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Let us listen to the Minister.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You please allow the Minister to speak; then, you can speak.

...(*Interruptions*)

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): महोदय, माननीय सदस्य इस सदन के केवल एक साधारण सदस्य नहीं हैं। वे नेता हैं और इनका कद तथा स्थान एक साधारण सदस्य जैसा नहीं है मैं इनकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। ...(व्यवधान) जो बात कही गई है, जो बयान है, मैं इसका खेद व्यक्त करता हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please listen to him.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Let the Minister complete his response.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat. Please listen to him. आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : मंत्री महोदय को अपनी बात कम्पलीट करने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री कमल नाथ: मैं सदन में इतना ही कहना चाहता हूं चाहे इधर के हों या उधर के हों,.(व्यवधान) प्रश्न यह नहीं है कि इधर के हैं या उधर के हैं, इस प्रकार के आरोप और इस प्रकार के बयान की हम सब मिलकर निंदा करते हैं और हमेशा करिए। ...(व्यवधान)

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): निंदा प्रस्ताव पेश करके पास कर दीजिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ऐसे कमेंट्री नहीं कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री कमल नाथ: मेरा केवल इतना ही निवेदन है कि सदन के केवल चार दिन बचे हैं। मैं आपके माध्यम से सब दलों और सदस्यों से निवेदन करता हूं कि यह सेशन लगभग ठीकठाक चला है। आखिरी चार दिन बिजनेस और आवश्यक बिजनेस है, आप जानते हैं कि आर्डिनेंस है।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): किसके कारण खराब हुआ?

MR. CHAIRMAN: You can speak after him. Why are you interrupting him?

...(*Interruptions*)

श्री कमल नाथ: मैं तो अपील कर रहा हूं, आप किंतु परंतु में न जाएं। आप चाहें तो रिजेक्ट कर सकते हैं। ...(व्यवधान) मैं तो अपील कर रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: That will not go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्री कमल नाथ: मेरी आप सबसे अपील है कि अगले चार दिन सदन चले और हम सबकी सदन के कार्य से देश भर में प्रशंसा हो। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: The hon. Minister has expressed his regret. On behalf of the Minister, the hon. Minister of Parliamentary Affairs has expressed regret. Why don't you accept that? What more can be done?

...(*Interruptions*)

15.07 hrs

At this stage, Shri Shailendra Kumar and some other hon. Members

came and stood on the floor near the Table.

MR. CHAIRMAN: He has already expressed regret.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I request the hon. Members to go back to their seats. The Parliamentary Affairs Minister has expressed regret on behalf of the concerned Minister. This should settle the matter. I request that you may please go back to your seats and allow the House to function.

...(*Interruptions*)